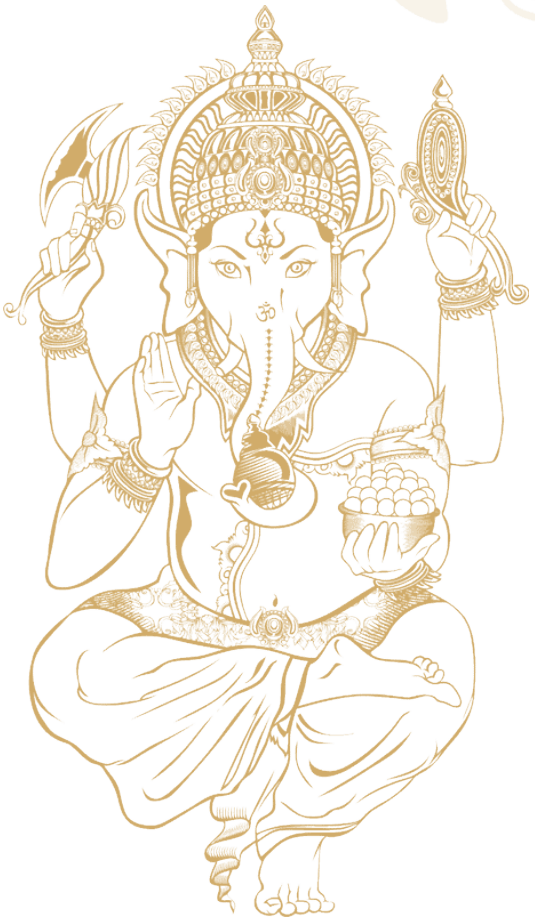

Deepak Damini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119749015

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22-23/06/1992	जन्म तिथि	26/09/1997
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 58:38:09	जन्म समय(घटी)	33:37:17 घटी
India	देश	India
Nagpur	स्थान	Damua
21:10:00 उत्तर	अक्षांश	22:11:13 उत्तर
79:12:00 पूर्व	रेखांश	78:28:38 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:12	स्थानिक संस्कार	-00:16:05 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:44	सूर्योदय	06:06:02
18:57:49	सूर्यास्त	18:08:32
23:38:54	के.पी. अयनांश	23:43:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 17वर्ष 11मा 26दि	29:37:41	वृष	लग्न	मेष	07:10:37	शनि 3वर्ष 5मा 18दि
बुध	08:06:40	मिथु	सूर्य	कन्या	09:47:33	शुक्र
19/06/2010	04:02:35	मीन	चंद्र	कर्क	14:14:02	15/03/2025
19/06/2027	12:27:06	मेष	मंगल	वृश्चि	04:38:38	15/03/2045
बुध 15/11/2012	00:11:05	कर्क	बुध	सिंह	26:16:04	शुक्र 15/07/2028
केतु 12/11/2013	14:55:24	सिंह	गुरु व	मक	18:35:42	सूर्य 15/07/2029
शुक्र 12/09/2016	10:39:30	मिथु	शुक्र	तुला	22:58:43	चन्द्र 16/03/2031
सूर्य 19/07/2017	24:19:38	मक व	शनि व	मीन	24:14:35	मंगल 15/05/2032
चन्द्र 19/12/2018	07:01:42	धनु व	राहु	सिंह	26:00:05	राहु 16/05/2035
मंगल 16/12/2019	07:01:42	मिथु व	केतु	कुंभ	26:00:05	गुरु 14/01/2038
राहु 04/07/2022	22:58:40	धनु व	हर्ष व	मक	11:08:49	शनि 15/03/2041
गुरु 09/10/2024	24:21:52	धनु व	नेप व	मक	03:30:07	बुध 14/01/2044
शनि 19/06/2027	26:52:47	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	09:38:29	केतु 15/03/2045

लग्न-चलित

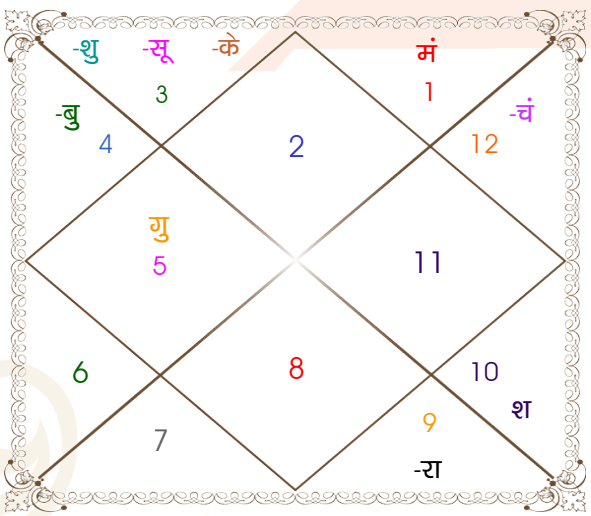

लग्न-चलित

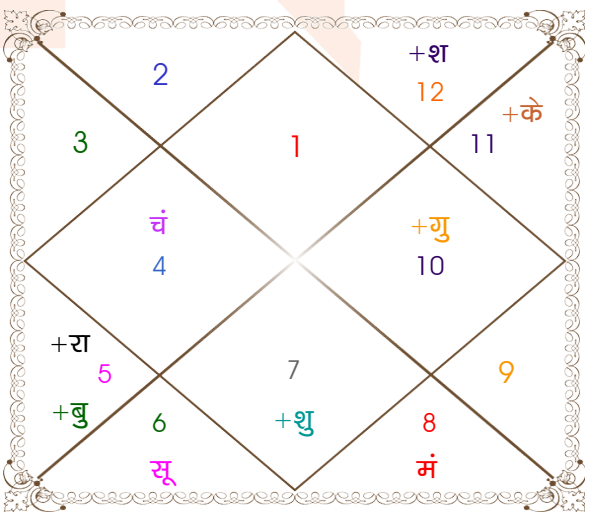

Astrologer Sourabh Tripathi
Astrology | Vastu | Gems Stone
+917024551008
P.sjk1008@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Damini का नक्षत्र पुष्य है।

Deepak का वर्ग सर्प है तथा Damini का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Deepak और Damini का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Deepak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Deepak कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Deepak कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Damini मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Damini कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Damini कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Deepak कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Deepak तथा Damini में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।